8. सामाजिक विकास में बाधा – जब समाज का बड़ा हिस्सा गरीब होता है तो देश का समग्र विकास – जैसे – शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक प्रगति धीमी पड़ जाती है।

9. गरीबी का पीढ़ीगत चक्र – निर्धनता एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक चलती रहती है, क्योंकि शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों की कमी के कारण लोग अपनी स्थिति में सुधार नहीं कर पाते।

इस प्रकार निर्धनता के दुष्परिणाम केवल व्यक्ति तक ही सीमित नहीं रहते बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के विकास को प्रभावित करते हैं। इसलिए गरीबी उन्मूलन के लिए शिक्षा, रोजगार के अवसर, सामाजिक न्याय और प्रभावी नीतियों का क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है।